UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU

Code No. : 18

Subject : MAITHILI

पाठ्य-विवरण एवं नमूनाक प्रश्न

नोट :

प्रश्न-पत्र–II में बहुविकल्पी (Multiple choice) प्रश्न पूछल जाएत। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर अनिवार्य अछि। पूर्णांक 100 रहत। प्रश्न-पत्र—III (A) दस वर्ग (Unit) मे विभक्त रहत। प्रत्येक प्रश्न सोड़ह-सोड़ह अंकक रहत। प्रत्येक प्रश्नक उत्तर अनिवार्य अछि एवं ओकर उत्तर तीन सय (300) शब्दमे होयबाक चाही। प्रत्येक वर्ग (Unit) क विकल्प प्रश्न रहत। प्रश्न-पत्र—III (B) पाँच वर्ग (Unit) मे विभाजित रहत, मुदा एकहि वर्गसँ उत्तर देब अपेक्षित अछि। प्रत्येक प्रश्नक हेतु चालिस (40) अंक अछि। प्रश्नक विकल्प रहत। प्रश्नोत्तर आठ सय (800) शब्दमे होएबाक चाही।

प्रश्न-पत्र—II

1. मैथिली साहित्यक प्रत्येक विधासँ सम्बद्ध प्रमुख कृतिक परिचय अपेक्षित अछि।

2. मैथिली साहित्यक प्रमुख विधाक रचनाकार/अनुवादक/सम्पादकक परिचय अपेक्षित अछि।

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

   काव्यक लक्षण, प्रयोजन, कारण, भेद, शब्दशक्ति, रस, गुण, रीति, अलंकार (अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति, अप्रस्तुत प्रशंसा, समासोक्ति, संदेह, भ्रान्तिमान, विषम, बक्रोक्ति)

   समालोचना—मैथिली आलोचक एवं आलोचना साहित्य

4. इतिहास—आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल—कविता, कथा, उपन्यास, निबन्ध, नाटक, समालोचना, लोकसाहित्य, पत्र-पत्रिका

   भाषाविज्ञान—भाषाक परिभाषा, भाषोत्पत्ति, भाषाक परिवर्तनशीलता, मैथिलीक उद्भव ओ विकास, भारोपीय भाषापरिवार, भाषा ओ बोली।

प्रश्न-पत्र—III (A)

[कोर विभाग]

वर्ग—I

महाकाव्य—मिथिला भाषारामायण (चन्दाझा), रमेश्वरचरित मिथिलारामायण (लालदास), एकावली-परिणय (बदरीनाथ झा), सुभद्रा-हरण (रघुनन्दन दास), अम्बचरित (सीताराम झा), चाणक्य (दीनानाथ पाठक 'बन्धु'), कृष्णचरित (तंत्रनाथ झा)

वर्ग—II

खण्डकाव्य—शकुन्तला (दामोदरलाल दास), भारती (केदारनाथ लाभ), पतन (उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'), उत्तरा (सुरेन्द्र झा 'सुमन'), उत्सर्ग (लक्ष्मण झा), एकलव्य (अमरेन्द्र मिश्र), नोर (यागेश्वर झा)

वर्ग—III

मुक्तककाव्य—कविवर सीताराम झा, काशीकान्त मिश्र 'मधुप', सुरेन्द्र झा 'सुमन', वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री', आरसी प्रसाद सिंह, चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर', जीवकान्त, भीमनाथ झा

वर्ग—IV

नाटक—नेपाल (मध्यकालीन नाटक), आसाम (मध्यकालीन नाटक), मिथिला (मध्यकालीन नाटक), आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी (जगज्ज्योतिर्मल्ल, शंकरदेव, उमापति, सुधांशु 'शेखर' चौधरी, रामदेव झा, उदय नारायण सिंह 'नचिकेता', महेन्द्र मलंगिया)

वर्ग—V

उपन्यास—हरिमोहन झा, वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री', उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास', ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', 'राजकमल', लिली रे, प्रभास कुमार चौधरी

वर्ग—VI

कथा—हरिमोहन झा, ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म', ललित, राजकमल चौधरी, मायानन्द मिश्र, रमानन्द रेणु, प्रभास कुमार चौधरी, सुभाष चन्द्र यादव

वर्ग—VII

समालोचना रमानाथ झा, दिनेश कुमार झा, प्रेमशंकर सिंह, देवेन्द्र झा, राजमोहन झा, मोहन भारद्वाज, रमानन्द झा 'रमण'

वर्ग—VIII

गद्य—ज्योतिरीश्वर, कांचीनाथ झा 'किरण', सुभद्र झा, जयकान्त मिश्र, राधाकृष्ण चौधरी, शैलेन्द्र मोहन झा, अमरेश पाठक

वर्ग—IX

पत्र-पत्रिका—मिथिला मोद, मिथिला मिहिर, वैदेही, मिथिला दर्शन, मिथिला भारती, कर्णामृत, भारती-मण्डन

वर्ग—X

लोकसाहित्य—लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति, लोकनाट्य

प्रश्न-पत्र—III (B)

[ऐच्छिक/वैकल्पिक]

ऐच्छिक—I

विद्यापति—सामयिक परिवेश, रचना, प्रतिभा, प्रभाव, धार्मिक चेतना, प्रकृति-प्रेम, विरह, अभिसार

ऐच्छिक—II

चन्दा झा—युगप्रवर्तन, रचना, रामकाव्य, नचारी-महेशवानी, गद्य-अनुवाद, सामाजिक चेतना, अनुसंधान, भाषा-शैली

ऐच्छिक—III

आधुनिक नाटक—आधुनिक नाटकक उद्भव, स्वतंत्रतापूर्व नाटक, स्वातंत्र्योत्तर नाटक, एकांकी, रेडियो रूपक, प्रहसन, रंगमंचक विकास

ऐच्छिक—IV

आधुनिक कविता—आधुनिकताक सूत्रपात, परम्परावाद ओ आधुनिकता, आधुनिक कविताक प्रवृत्ति, नवकविता, प्रमुखवाद, भावपक्ष-कलापक्ष, प्रमुख कवि एवं कविता

ऐच्छिक—V

कथा-उपन्यास—पृष्ठभूमि, प्रवृत्ति, कथ्य एवं शिल्प, लघुकथा, प्रमुख कथाकार एवं कथासंग्रह। उपन्यासक प्रवृत्ति, उपन्यासक विकास, उपन्यासक प्रकार, प्रमुख उपन्यास ओ उपन्यासकार

नमूनाक प्रश्नक

प्रश्न-पत्र—II

1. 'कन्यादान'क रचयिता छथि
   (A) उपेन्द्रनाथ झा
   (B) योगानन्द झा
   (C) हरिमोहन झा
   (D) यात्री

2. सुधांशु 'शेखर' चौधरीक कृति अछि
   (A) संदर्भ
   (B) प्रबन्ध-संग्रह
   (C) मैथिली नव कविता
   (D) परिचायिका

3. 'रीतिरात्मा काव्यस्य'क प्रतिपादक छथि
   (A) भरत
   (B) जगन्नाथ
   (C) विश्वनाथ
   (D) वामन

प्रश्न-पत्र—III (A)

1. सन्देह ओ भ्रान्ति अलंकारक अन्तर स्पष्ट करू।

   Or

   लगनी ओ बटगमनीक अन्तर स्पष्ट करू।

प्रश्न-पत्र—III (B)

11. विद्यापतिक राज-सम्पर्कसँ परिचय कराउ।

    Or

    'मिथिला भाषा रामायण'क आधार पर हनुमानक लंका यात्रा—वृत्तान्तक वर्णन करू।

    Or

    'ब्रजबुलि एक कृत्रिम भाषा थिक।' समीक्षा करू।

* * *